

## Need for Academia-Industry Collaboration to enhance employability of students – Oct 23, 2020

# Need for Academia-Industry Collaboration for enhancing employability of students



**P**rof O R S Rao, Vice-Chancellor of the ICFAI University, Jharkhand was invited to address the Jharkhand Educational Summit organized by Centre for Education Growth and Research, through Video Conferencing. The Summit was attended by Vice-Chancellors, Registrars and Senior Academicians from all over the country.

Addressing the partici-

pants on the theme "Challenges in Promotion of Higher Education in Jharkhand". Prof O R S Rao said, "One of the major challenges faced by Higher Education Institutions, particularly the ones, offering professional programs like B Tech and MBA, is employability of the graduating students".

"A strong and continuous Academia-Industry Collaboration can help in

addressing the problem, by way of updation of curriculum of the programs, providing internships, setting up Incubation and skill development centres etc so that students can be equipped with the knowledge and hands-on skills, as per Industry requirements", added Prof Rao. During his address, he explained the various initiatives taken by the ICFAI University in this regard,

which include signing MOUs of Academia-Industry Collaboration with Industry, organising seminars/webinars in association with the Industry, involvement of Alumni in academics etc. Prof Rao also narrated how the MOUs signed with reputed organisations like NSE Academy, NCDEX, Bosch have been helping the students of the University to become more employable.



# बीटेक, एमटेक करनेवाले विद्यार्थियों को रोजगार देना चुनौती : प्रो राव

संवाददाता

रांची : इक्विस विध्विद्यालय के सीसी प्रो ओआरएस राव ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में बीटेक और एमटेक के कार्यक्रमों के लिए सबसे बड़ी चुनौती रोजगार उपलब्ध करना है। प्रो राव शुक्रवार को सेंटर फॉर एजुकेशन प्रोथ एंड रिसर्च द्वारा आयोजित इण्टरनेट शैक्षिक शिखर सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का विषय इण्टरनेट में उच्च शिक्षा के विकास में चुनौतियाँ हैं। उन्होंने कहा कि एक मजबूत और निरंतर अकादमिक-उद्योग सहयोग कार्यक्रम के माध्यम से फंडिंग प्रदान करने में मदद मिल सकती है, ताकि छात्रों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार, ज्ञान और कौशल से हिस किया जा सके। प्रो राव ने इस संबंध में विवि द्वारा उठाये गये विभिन्न फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उद्योग के साथ अकादमिक-उद्योग सहयोग के समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर करना, उद्योग के साथ संघर्ष, बेनिफिट का आयोजन करना, शिक्षाविदों में पूर्ण छात्रों की भागीदारी शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह



से एनएसई अकादमी संगठनों के साथ समझौता करने पर विद्यार्थियों को अधिक रोजगारपत्रक एमसीडीएक्स, बीस बैसे प्रोत्साहित हस्ताक्षर किये गये हैं, जो विवि के बनाने में मदद कर रहे हैं।

## छात्रों को ज्ञान व कौशल में निपुण होना है : वीसी

रांची. इक्विस विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा है कि छात्रों को अब उद्योग की जरूरत के मुताबिक ज्ञान व कौशल में निपुण होना जरूरी है. बीटेक व एमबीए जैसे व्यावसायिक कार्यक्रमों से स्नातक करनेवाले छात्रों के सामने रोजगार दिलाने की चुनौती बन रही है. विवि इस चुनौती को स्वीकार कर छात्रों को तैयार करने का कार्य करे. प्रो राव सेंटर फॉर एजुकेशन प्रोथ एंड रिसर्च द्वारा इण्टरनेट में उच्च शिक्षा के विकास में चुनौतियाँ विषय पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इण्टरनेट शैक्षिक शिखर सम्मेलन में बोल रहे थे. कुलपति ने कहा कि इक्विस विवि ने इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए उद्योग के साथ एमओयू भी किया है. ऐसे संस्थानों के साथ एमओयू किया गया है, जो विवि के छात्रों की अधिक रोजगारपत्रक बनाने में मदद कर रहे हैं.